International Journal of Advanced Academic Studies 2021; 3(2): 174-176

E-ISSN: 2706-8927
P-ISSN: 2706-8919
www.allstudyjournal.com
IJAAS 2021; 3(2): 174-176
Received: 16-02-2021
Accepted: 18-03-2021

डॉ. अनिरूद्ध वर्मा
पी–एच.डी. (भूगोल), अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा, मध्य प्रदेश, भारत

Corresponding Author:
डॉ. अनिरूद्ध वर्मा
पी–एच.डी. (भूगोल), अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा, मध्य प्रदेश, भारत

विजावर तहसील में रेड ऑकर का वितरण उपयोग तथा संभावनाएँ

डॉ. अनिरूद्ध वर्मा

सारांश
भू–वैज्ञानिक दृष्टि से ग्रेनाइट बड़े–बड़े कणों वाली आग्नेय शैल है। रसायनिक दृष्टि से मिट्टी में कैल्सियम, मैग्नीशियम्, गंधक, लोहा, नाइट्रोजन, फास्फोरस, जैसे तत्व पाये जाते हैं। विजावर तहसील में खनिजों के रूप में पाया जाने वाला मुख्य रॉक फास्फेट, चूना पत्थर, पायरोफिलाइट रेत के भण्डार उपलब्ध है। साधारण जिले की मिट्टीयों के तीन भागों में बांटा गया है–

1. रसायनिक कटाव या चट्टानों के छिन्न–भिन्न होने से निर्मित मिट्टी
2. भौगोलिक कटाव द्वारा निर्मित मिट्टी
3. जीवधारियाँ द्वारा कटाव में निर्मित ग्रेनाइट शैल में।

सामान्यतः 52.3 प्रतिशत फेल्सपार, 31.3 प्रतिशत क्वार्टज, 11.5 प्रतिशत अभ्रक, 2.4 प्रतिशत हाई ब्लैड, 2.0 प्रतिशत लौह खनिज, 0.5 प्रतिशत अन्य खनिज पाये जाते है। रॉकड़ मिट्टी 60 प्रतिशत पाई जाती है जो भूरा, पीले रंग की होती है भारत में रेड़ ऑक्साइड का विशाल भण्डार विद्यमान है। यहाँ से रेड ऑक्साइड निर्यात किया जाता है।

कूटशब्दः छतरपुर जिला, रेड ऑकर, वितरण

प्रस्तावना

औद्योगिकी विकास में खनिज साधनों का महत्वपूर्ण योगदान होता है। खनिज उपलब्धता की दृष्टि से मध्यप्रदेश राष्ट्र का चौथा खनिज सम्पपन्न राज्य है। विकास की आवश्याकता के अनुरूप खनिजों की मांग औद्योगिकी प्रगति के साथ बढ़ती जाती है। खनिज साधन विभाग द्वारा खनिजों के संरक्षण, अन्वेंषण एवं विधिमान्यक नियमों के अंतर्गत खनिजों के दोहन पर सतत् निगरानी रखते हुए निरंतर कार्यवाही की जा रही है। खनिज साधन विभाग के अधीन गठित मध्यप्रदेश राज्य खनिज निगम द्वारा कुछ खनिजों के दोहन का कार्य भी किया जा रहा है। विभाग द्वारा की जा रही कार्यवाही से प्रदेश के राजकोषीय आय में निरंतर वृद्धि तथा नये खनिज भंडारों की खोज का मार्ग प्रस्तुत हो रहा है।

किसी प्रदेश या क्षेत्र का औद्योगिक स्वरूप वहा पाये जाने वाले खनिज संसाधन का प्रतिफल होता है। पवई पठार में विन्ध्यक्रम की शैल संस्तरित मिलती है। जिसका निर्माण वालूकाश्म एवं चूना प्रस्तर से हुआ है। अतः अध्ययन क्षेत्र में चूना, पत्थर, इमारती पत्थर, ओकर, छुई, मुरुम, रामरज, वाक्साइड जैसे भारी खनिज संसाधन पाये जाते है, जिनका मूल्य कम तथा भार अधिक है।

छतरपुर जिले के लगभग 2000 वर्गमील क्षेत्र में ग्रेनाइट पाया जाता है। छतरपुर का सबसे अच्छा ग्रेनाइट कटहरा का फॉस्यून रेड ग्रेनाइट है इस ग्रेनाइट को मध्य प्रदेश का सबसे अच्छा ग्रेनाइट माना जाता है। इस जिले में उपर्युक्त खनिजों पर आधारित कई ''लघु उद्योग'' जैसे वार्निस एवं पेंट उद्योग (रेड ऑक्साइड) सुपर फास्फेट एवं फास्फोरस उद्योग (रॉक फास्फेट), सिरेमिक एवं कीटनाशक उद्योग (पायरोफिलाइट) सीमेन्ट एवं चूना उद्योग (चूना–पत्थर) टाइल्स उद्योग (ग्रेनाइट) हीरा कटिंग आदि के स्थापना की पर्याप्त संभावनाएँ है।

शोध विधि

सामाजिक अनुसंधान में अध्ययन विषय से संबंधित तथ्यों एवं सूचनाओं को संकलित करके निष्कर्ष निकालने की आवश्यकता होती है। तथ्यों एवं सूचनाओं के संकलन की अनेक विधियां होती है, जो अध्ययन किये जाने वाले विषय की प्रकृति के अनुसार निर्धारित की जाती है। प्राथमिक सूचना स्त्रोत के अन्तर्गत अनुसंधानकर्ता सामाजिक, भौगोलिक एवं आर्थिक घटनाओं का निरीक्षण करके तथा उससे संबंधित व्यक्तियों से मिलकर सूचना प्राप्त करता है। द्वितीय सूचना स्त्रोत के अन्तर्गत अनुसंधानकर्ता लिखित प्रलेखो द्वारा अप्रत्यक्ष रूप से सूचनायें एकत्रित करता है।

प्रस्तुत शोध कार्य विजावर तहसील में रेड ऑकर का वितरण उपयोग तथा संभावनाओं का अध्ययन निदर्शन विधि द्वारा चयनित क्षेत्रों के आदर्श मूलक सर्वेक्षण कार्य द्वारा प्राथमिक आंकड़ों को प्राप्त किया गया है। द्वितीयक आकड़ें सम्बन्धित शासकीय कार्यालयों से प्राप्त कर विश्लेषण द्वारा निष्कर्ष प्राप्त किये गये है।

क्षेत्रीय पृष्ठभूमि

मध्य प्रदेशीय बुन्देलखण्ड अयलैण्ड के उत्तर–मध्य भाग में जिला छतरपुर के विजावर तहसील 24°6′ उत्तरी अक्षांश से 24°43′ उत्तरी अक्षांश एवं 78°59′ पूर्वी देशान्तर से 79°53′ पूर्वी देशांतर के मध्य अवस्थित है। तहसील का क्षेत्रफल 2490.76 वर्ग कि.मी. है। यह समुद्र सतह से 184 मीटर ऊची है छतरपुर एव विजावर तहसील के दक्षिण में अनेक ऐसी पर्वत श्रेणियाँ हैं, जिनकी गणना महत्वपूर्ण भौतिक आकृतियों में की जा सकती है तहसील के दक्षिणी में अनेक में विजावर सघन वन है।

विजावर तहसील में विकास की आपार संभावनाएँ संजोये है खनिज सम्पदा की दृष्टि से यह सम्पन्न है, विजावार में सबसे उच्च गुणवत्ता वाला रेड ऑक्साइड पाया जाता है। विजावर तहसील में खनिजों के रूप में पाया जाने वाला मुख्य रूप से रॉक फास्फेट, चूना पत्थर, पायरोफिलाइट, रेत के भण्डार उपलब्ध है। रसायनिक दृष्टि से मिट्टी में कैल्सियम्, मैग्नीशियम्, गंधक, लौहा, नाइट्रोजन, फास्फोरस जैसे तत्व पाये जाते है। छतरपुर जिले का कुल क्षेत्रफल 8757 वर्ग कि.मी. है। सर्वेयर जनरल आफ इण्डिया द्वारा प्रकाशित आंकड़ों के अनुसार, जबकि राज्य सर्वेक्षण विभाग द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार जिले का क्षेत्रफल 8625.5 वर्ग कि.मी. है। प्राकृतिक दृष्टिकोण से उत्तर में जिले की सीमा यमुना, गंगा के मैदान से मिलती है इसके दक्षिण में इसकी सीमा काफी दूर तक 'केन' नदी बनाती है।

इस तहसील में उपर्युक्त खनिजों पर आधारित कई लघु–उद्योग जैसे वार्निश एवं पेन्ट उद्योग (रेड–ऑक्साइड) चूना पत्थर, उद्योग पत्थर की बनी वस्तु पायरोफिलाइट, सीमेन्ट उद्योग रेत उद्योग विकसित किया जा सकता है।

उद्देश्य

विजावर तहसील में खनिज सम्पदा का अधिकाधिक उपयोग तथा उस पर आधारित लघु उद्योगों के माध्यम से यहाँ ग्रामीण विकास अधोसंरचना का इस शोध पत्र का मुख्य उद्देश्य है। आर्थिक दृष्टि से विजावर तहसील अभी पीछे है यहाँ खनिज उत्खनन अपर्याप्त है, स्थानीय खनिजों पर आधारित उद्योगों के अभाव के कारण यहाँ के खनिजों को देश के अन्य क्षेत्रों में स्थित लघु उद्योगों में भेजा जा सकता है।

रेड ऑक्साइड एक सामान्य परिचय

रेड ऑकर (रेड–ऑक्साइड) परतकारी गुरू रंग की खोज सर्वप्रथम 1893 ई. में पेटेट महोदय ने किया था। रेड ऑक्साइड आयरन और हेमेटाइड अपक्षय अपरदन से बनता है इसका महत्वपूर्ण कार्यरंग बनाने के काम में लिया जाता है, इससे आयरन का प्रचुर मात्रा पाया जाता है, इसका पेन्ट में प्रयोग किया जाता है यह जंग रोधक पेन्ट होता है यह प्रकृति के खुले खदान से प्राप्त होता है। यह एक चमत्कारी संरचना वाला पाउडर की धातु है।

यह रसायनिक क्रिया द्वारा इस प्रकार होता है $Fe_2 . O_2 + 2AL - 2F_2 + 23^0$ उत्पादों में एल्युमीनियम ऑक्साइड स्वतः मौलिक लौहे एवं बड़ी राशि का एक सामान्य पाउडर और मिश्रित बांधने की मशीन के साथ रखने के लिए ठोस सामग्री की जुताई रोकने के काम आता है। यह रेल की पट्रियों में इसी धातु का प्रयोग किया जाता है पहला वाणिज्य आवेदन बेल्डिंग में किया जाता था फिर रेल की पटरियों में सन् 1899 ई. से पूर्व कम्पनी व कॉपरेटर वंशा बेल्डिंग के उत्पादों का सबसे बड़ा काम किया जाता था। आज दुनिया में इसकी प्रत्यक्ष प्रमाण मिलती है।

सारणी क्र. 1: विजावर तहसील जिला छतरपुर में प्रमुख एवं गौण–खनिजों का उत्पादन तथा मूल्य उद्योग एवं खनिकर्म

क्रमाक	वर्ष	डायसपोर		पायरोफ्लाइट		छुई मिट्टी	
		उत्पादक मैट्रिक टन में	मूल्य लाख में	उत्पादक मैट्रिक टन में	मूल्य लाख में	उत्पादक मैट्रिक टन में	मूल्य लाख में
0	1	2	3	4	5	6	7
1.	2014–15	15917	1368917	440009	12320251	–	–
2.	2015–16	15518	1334571	428969	12011141	–	–
3.	2016–17	13803	1187130	351577	10684771	–	–

सारणी क्र. 2: उद्योग एवं खनिकर्म

क्रमाक	वर्ष	रॉक फास्फेट		रेत गौण		इमारती पत्थर (रेड ऑकर)	
		उत्पादक मैट्रिक टन में	मूल्य लाख में	उत्पादक मैट्रिक टन में	मूल्य लाख में	उत्पादक मैट्रिक टन में	मूल्य लाख में
0	1	2	3	4	5	6	7
1.	2014–15	2933	220010	111221	5894747	7137	499614
2.	2015–16	12060	904500	1000	10000	7105	710534
3.	2016–17	59522	4464198	980115	1251419	288	28875

स्रोत : जिला खनिजकर्म अधिकारी छतरपुर

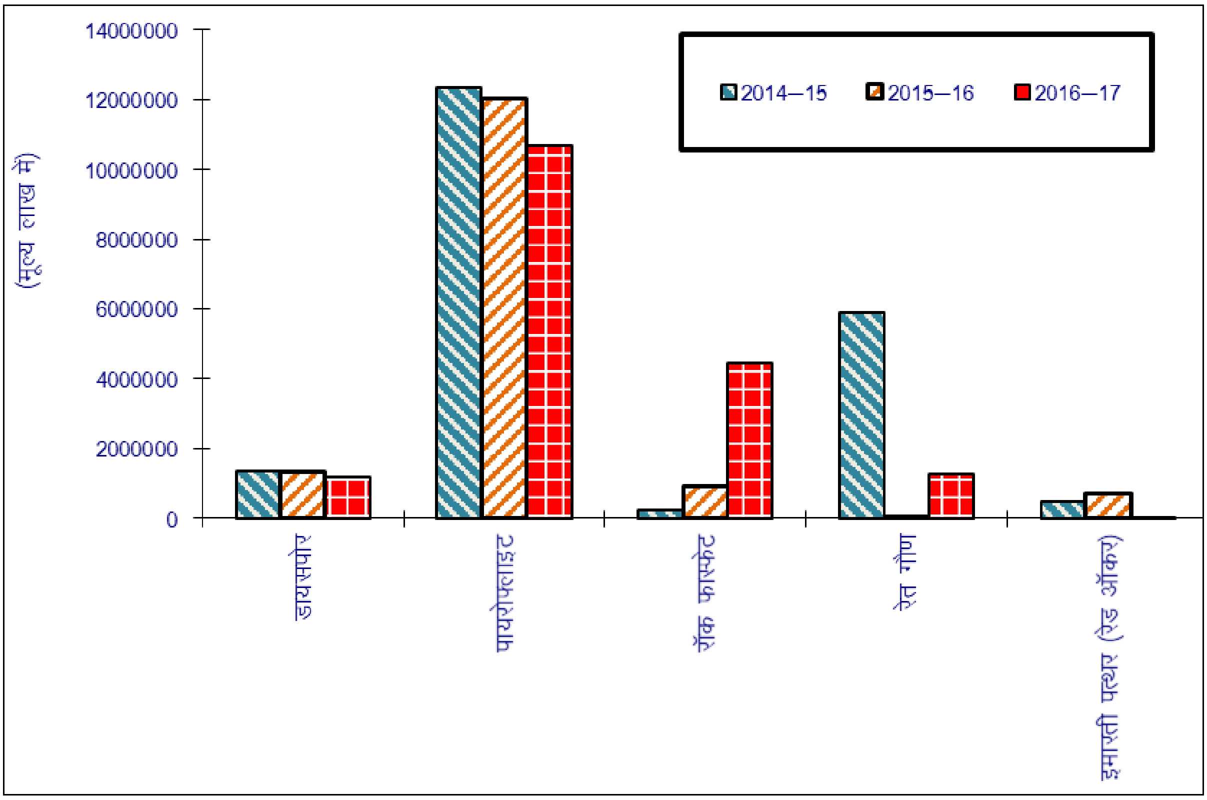

आरेख क्र. 1: विजावर तहसील में खनिज संपदा के मूल्यों का आरेखीय निरूपण

निष्कर्ष

विजावर तहसील जिला छतरपुर में विकास की अपार संभावनाएँ संजोये है। खनिज सम्पदा की दृष्टि से भी यह जिला सम्पन्न कहा जा सकता है। यहाँ हीरा से लेकर ग्रेनाइट रेत और मुरम तक के भण्डार पाये जाते हैं। जिले में पाये जाने वाले खनिजों में मुख्य रूप से हीरा, ग्रेनाइट, रॉक फास्फेट चूना, पत्थर डोलोमाइट, रेड आक्साइड तथा पायरोफिलाइट, लौह आयस्क और रेत के भण्डार उपलब्ध है।

सन्दर्भ

1. भार्गव केड़ी सुराना, आर.एल. भट्नागर (1991 द ग्रेनाइट ऑफ उदयपुर एण्ड चित्तौड) मई–जून पेज नं. 125–130
2. श्रीवास्तव, प्रेम 190 ग्रेनाइट प्रोटेशियल इन इण्डिया–मिनरल्स एण्ड माईनिंग वर्ल्ड, मई पेज नं. 35–37
3. सिंह के. वी. माथुर, जी.पी. –1990 डायमेन्षनल एण्ड डेकोरेटिव स्टोन्स एन ओवर व्यू, मई पजे नं. 16–19
4. जैन, पी.के., 1993 छतरपुर जिले में खनिजों पर आधारित लघु/मध्यम उद्योग की सम्भावनाये।
5. जैन, पी.के. सिंघई, जी.सी. (1998) खनिज संसाधनों की संभाव्यता एवं उचित उपयोग।
6. श्री निवासन पी. (1990) ग्रेनाईट माइनिंग एण्ड रिलेटिड प्राब्लम मिनरल एण्ड माइनिंग वर्ल्ड, अगस्त पजे न. 72–22